कोलंबिया ने राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई

कैनसस सिटी, 04 जुलाई कोलंबिया ने शनिवार को शानदार आक्रामक और मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए घाना को 1-0 से हराया और फीफा विश्वकप के राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई. विश्वकप इतिहास में यह तीसरी बार है जब घाना ने राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई है. अब अगले दौर में कोलंबिया का मुकाबला स्विट्जरलैंड से होगा.

आज यहां एरोहेड स्टेडियम के जीईएचए मैदान पर खेले गए राउंड ऑफ 32 के इस मैच में जॉन एरियास ने एकमात्र गोल किया. उन्होंने 14वें मिनट में 'फ़र्स्ट-टाइम फिनिश' के जरिए गोल किया, जो अंतत: दोनों टीमों के बीच निर्णायक साबित हुआ. कोलंबिया ने आक्रामक शुरुआत की और पहले हाफ में लगातार शानदार प्रदर्शन. केविन पुएर्टा और लुइस डियाज दोनों ने अच्छे मौकों को गंवा दिया, जबकि घाना के गोलकीपर लॉरेंस अतिजिगी ने शानदार बचाव करते हुए जोहान मोजिका को गोल करने से रोका, जब दक्षिण अमेरिकी टीम अपना दूसरा गोल करने का प्रयास कर रही थी. हालांकि घाना मैच में बना हुआ था, लेकिन अटैक करने के मामले में उन्हें बहुत संघर्ष करना पड़ा. कोलंबिया की मजबूत रक्षापंक्ति ने घाना की टीम को अधिक मौके नहीं दिये, जिससे उन्हें निराशाजनक शाम का सामना करना पड़ा और वे कोई स्पष्ट मौका नहीं बना पाए. लुइस डियाज को लगा कि उन्होंने मैच के एक घंटे पूरे होने से ठीक पहले कोलंबिया की बढ़त को दोगुना कर दिया है, लेकिन मामूली ऑफसाइड के कारण गोल को अमान्य करार दिया गया. कुछ मिनट बाद, विंगर को गोल करने का शानदार मौका मिला, लेकिन वे 'वन-ऑन-वन' स्थिति में अति ज़िगी को छकाने में नाकाम रहे, जिससे घाना की उम्मीदें बनी रहीं.

कोच कार्लोस क्विरोज ने घाना के अटैक में तेजी लाने के लिए दूसरे हाफ में अर्नेस्ट नुअमाह, फ़तावु इस्साहाकु और एबेनेजर ओवुसु को मैदान पर उतारा, लेकिन कोलंबिया का दबदबा बना रहा. फतावु का कर्लिंग शॉट जो लक्ष्य से थोड़ा चूक गया, घाना के कुछ अच्छे पलों में से एक था, जबकि गोलकीपर कैमिलो वर्गास को शायद ही किसी मुश्किल बचाव की जरूरत पड़ी. मैच के अंतिम क्षणों में भी कोलंबिया ने जवाबी हमला जारी रखा. अति जिगी ने रिचर्ड रियोस के शॉट को शानदार ढंग से रोका और फिर जुआन क्विंटरो के कॉर्नर के बाद डेविंसन सांचेज के जबरदस्त हेडर को भी दूर धकेल दिया, जिससे हार का अंतर नहीं बढ़ा.

छह मिनट के स्टॉपेज टाइम के बावजूद, घाना कोई सफलता हासिल नहीं कर सका और कोलंबिया ने आसानी से मैच जीतकर अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की कर ली.

इस जीत के साथ कोलंबिया अपने विश्वकप इतिहास में तीसरी बार राउंड ऑफ़ 16 में पहुंच गया है, जहां उसका मुक़ाबला वैंकूवर में स्विट्जरलैंड से होगा. वहीं, घाना एक बार फिर दक्षिण अमेरिकी टीम से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया.

अर्जेंटीना भी फीफा विश्वकप के राउंड ऑफ 16 में

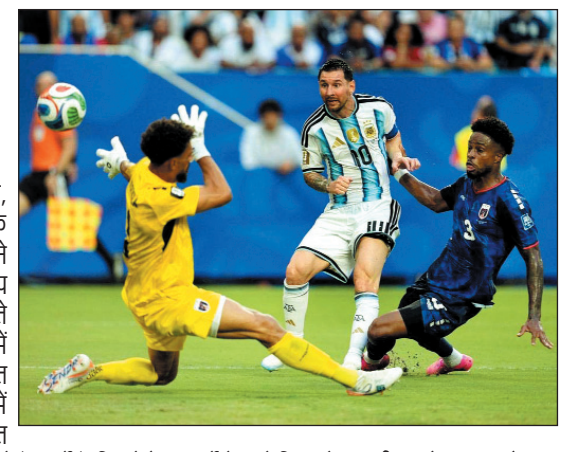

मियामी (फ्लोरिडा). लियोनेल मेसी, लिसैंड्रो मार्टिनेज और डिने बोर्गस के आत्मघाती गोल की मदद से अर्जेंटीना ने शुक्रवार को अतिरिक्त समय के बाद केप वर्डे पर 3-2 की नाटकीय जीत दर्ज करते हुए फीफा विश्व कप के राउंड ऑफ 16 में अपनी जगह पक्की की. मैच की शुरुआत के पहले हॉफ में मेसी ने 29वें मिनट में गोल दागा अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई हालांकि, दूसरे हाफ की शुरुआत में केप वर्डे के लिए डेरोय दुआर्टे ने 59वें मिनट में बराबरी का गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया. दोनों टीमों के बीच 90 मिनट का खेल पूरा होने तक स्कोर बराबरी ही रहा. इसके बाद अतिरिक्त समय में लिसांद्रो मार्टिनेज ने 92वें मिनट में दूसरा गोल कर अर्जेंटीना को बढ़त दिला दी. मार्टिनेज के गोल के बाद लगा अर्जेंटीना अब यह मैच आसानी से जीत लेगा, लेकिन 103वें मिनट में सिडनी लोप्स काब्रेल ने गोल दागकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया. इसके बाद फिर 15 मिनट का अतिरिक्त समय लिया गया. अतिरिक्त समय में मेसी ने 111वें मिनट में कॉर्नर से गोल करने का प्रयास किया, लेकिन केप वर्डे के डिने बोर्गस ने आत्मघाती गोल कर अर्जेंटीना को 3-2 से बढ़त दिला दी. केप वर्डे ने इसके बाद 116 और 120वें मिनट में गोल करने के प्रयास किए, लेकिन विफल रहे.

मिस्र ने ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में हराकर इतिहास रचा

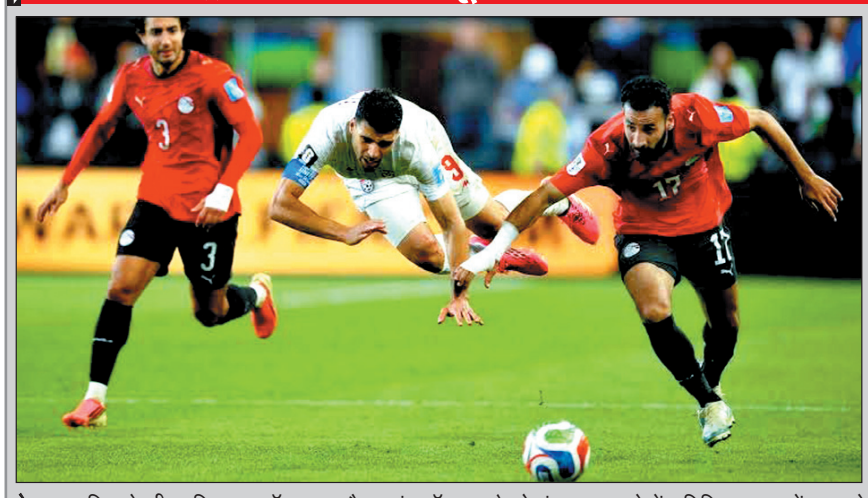

टेक्सास. मिस्र ने फीफा विश्वकप नॉकआउट मैच राउंड ऑफ 32 के रोमांचक मुकाबले में अतिरिक्त समय में 1-1 से ड्रा रहने के बाद हुए पेनल्टी शूटाउट में ऑस्ट्रेलिया को 4-2 से हराकर इतिहास रच दिया है. एटीएंडटी स्टेडियम में शुक्रवार रात खेले गये मुकाबले में सात बार की अफ्रीकी चैंपियन टीम ने पेनल्टी के दौरान संयम बनाए रखा और चारों पेनल्टी को गोल में बदला. मोहम्मद सालाह की शानदार 'पानेन्का' किक और होसाम अब्देलमजीद की निर्णायक किक ने उन्हें राउंड ऑफ 16 में पहुंचाया, जहां मिस्र का सामना मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना और केप वर्डे के बीच होने वाले मैच विजेता होगा. ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदें तब टूट गईं जब हैरी साउटर ने पहली पेनल्टी क्रॉसबार के ऊपर मार दी और फिर युवा डिफेंडर ल्यूक हेरिंगटन ने ऑस्ट्रेलियाई टीम के चौथे प्रयास में गेंद को बार पर मार दिया, जिससे अब्देलमजीद के लिए आसानी से विजयी गोल करने का मौका बन गया. पूरे मैच के दौरान में मिस्र की टीम बेहतर नज़र आई. ऑस्ट्रेलिया के क्रिस्टियन वोल्पैटो के शॉट के गोलपोस्ट से टकराने के बाद, इमाम अशौर ने 13वें मिनट में मिस्र की टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई. अफ्रीकी टीम ने अपनी बढ़त को और बढ़ाने के कई मौके गंवाए, जिसमें उमर मारमौश का एक बहुत अच्छा मौका चूकना भी शामिल था. उन्हें 55वें मिनट में इसका खामियाजा भुगतना पड़ा, जब डिफेंडर मोहम्मद हनी ने गलती से गेंद को अपने ही नेट में डाल दिया, जिससे स्कोर बराबर हो गया. दोनों टीमों ने सामान्य समय और अतिरिक्त के बाकी हिस्सों में कुछ मौके बनाए, लेकिन कोई भी निर्णायक गोल नहीं कर सका. सालाह भी पेनल्टी से पहले मैच का फैसला करने का मौका चूक गए. ऑस्ट्रेलिया के कोच टोनी पोपोविच ने शूटआउट के लिए गोलकीपर पॉल बीच की जगह अनुभवी कप्तान मैट रयान को लाकर एक दांव खेला, लेकिन यह दांव काम नहीं आया क्योंकि मिस्र ने अपनी सभी पेनल्टी को गोल में बदला. 70,244 दर्शकों के सामने खेला गया यह मैच 120 मिनट के बाद 1-1 से बराबरी पर छूटा और फिर मिस्र ने पेनल्टी शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया पर 4-2 से जीत हासिल की.

राउंड ऑफ़ 32 : आखिरी पलों में हुआ मैचों का फैसला

न्यूयॉर्क. राउंड ऑफ़ 32 ने मौजूदा वर्ल्ड कप को बहुत करीबी मुकाबले वाले टूर्नामेंट में बदल दिया है. शुरुआती 13 नॉकआउट मैचों में से आठ का फ़ैसला नॉर्मल टाइम के आखिरी 10 मिनटों, एक्स्ट्रा टाइम या पेनल्टी शूटआउट में हुआ. कुछ लोगों को उम्मीद थी कि 48 टीमों वाले नए फ़ॉर्मेट से टूर्नामेंट के दूसरे चरण का रोमांच कम हो जाएगा. इसके बजाय, इसमें ऐसे उतार-चढ़ाव और भावनाएं देखने को मिलीं जो आमतौर पर वर्ल्ड कप के आखिरी चरणों में होती हैं. सेनेगल के खिलाफ़ बेल्जियम की शानदार वापसी से बेहतर इसका कोई और उदाहरण नहीं हो सकता. रेगुलर टाइम खत्म होने में पांच मिनट बाकी थे और बेल्जियम 2-0 से पीछे था, लेकिन रोमेलु लुकाकू और यूरी टिएलेमैन्स के गोल से उन्होंने वापसी की और फिर टिएलेमैन्स ने 125वें मिनट में पेनल्टी से एक और गोल किया. यह वर्ल्ड कप के इतिहास का सबसे देर से हुआ गोल था और इसने रूडी गार्सिया की टीम को 3-2 से जीत दिलाई, जो पहले नामुमकिन लग रही थी. मैच के बाद सेनेगल के मैनेजर पेप थियाव ने कहा, 'यह एक दुखद हार है, क्योंकि हमने अच्छा प्रदर्शन किया था. हमारे पास बढ़त थी. हम 2-0 से आगे थे. लेकिन फ़ुटबॉल मैच सिर्फ़ 85 मिनट का नहीं होता.' पुर्तगाल ने भी अगले दौर में पहुँचने के लिए आखिरी पलों का इंतज़ार किया. गोंकालो रामोस ने स्टॉपेज टाइम में हेडर से अपनी टीम को क्रोएशिया के खिलाफ़ बढ़त दिलाई, जबकि क्रोएशिया के बराबरी करने वाले गोल को ऑफ़साइड के कारण रद्द कर दिया गया.

सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर

न्यूयॉर्क. शुक्रवार को केप वर्डे पर अर्जेंटीना की 3-2 की जीत में लियोनेल मेसी के गोल के बाद विश्व कप के सर्वकालिक प्रमुख स्कोरर इस प्रकार हैं:

- **20-** लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना)
- **18-** किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस)
- **16-** मिरोस्लाव क्लोज़ (जर्मनी)
- **15-** रोनाल्डो (ब्राजील)
- **14-** गर्ड मुलर (जर्मनी)
- **13-** जस्ट फोन्टेन (फ्रांस), हैरी केन (इंग्लैंड)
- **12-** पेले (ब्राजील)
- **11-** जर्गेन क्लिंसमैन (जर्मनी), सैंडोर कोक्सिस (हंगरी), क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल)
- **10-** गेब्रियल बतिस्तुता (अर्जेंटीना), हेल्मुट रहन (जर्मनी), गैरी लिनेकर (इंग्लैंड), टेओफिलो क्यूबिलास (पेरू), थॉमस मुलर (जर्मनी), ग्रेज़गोर्ज लाटो (पोलैंड

एकेएल ने पहली इंटरनेशनल महिला कबड्डी लीग शुरू की

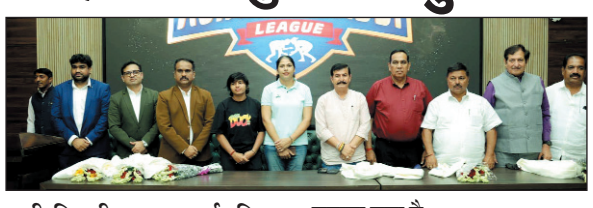

नयी दिल्ली, 04 जुलाईमहिला कबड्डी को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, एशियन कबड्डी लीग (एकेएल) ने शनिवार को 'वीमेंस चैप्टर 1' शुभारंभ किया.

यह देश की पहली खास अंतरराष्ट्रीय पेशेवर महिला कबड्डी लीग है. 1 से 16 अगस्त तक होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए सोनी को ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर बनाया गया है.

प्राइम टाइम में दिखाए जाने वाली इस लीग का मकसद महिला खिलाड़ियों को एक प्रोफेशनल प्लेटफॉर्म, इंटरनेशनल एक्सपोज़र और ज़्यादा कमर्शियल पहचान दिलाना है. ऐसे समय में जब ज़्यादातर प्रोफेशनल कबड्डी टूर्नामेंट पुरुषों के खेल पर ही केंद्रित रहते हैं, यह लीग महिलाओं के लिए एक अहम मौका है.

जैकब के सामने भारतीय गेंदबाज चित

- **भारत ने इंग्लैंड को 191 रन का लक्ष्य दिया था**
- **इंग्लैंड ने 4 विकेट से जीता दूसरा टी-20**

मैनचेस्टर 4 जुलाई. भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार को खेला गया. मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में हुए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने भारतीय टीम पर चार विकेट से जीत हासिल की. इंग्लैंड को जीत के लिए 191 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 6 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया. इंग्लैंड की जीत के हीरो जैकब बेथेल रहे.

जैकब बेथेल ने 46 बॉल पर नाबाद 76 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और पांच छक्के शामिल रहे. बता दें कि दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज का पहला मुकाबला चेस्टर-ले-स्ट्रीट में खेला गया था, जो बारिश के चलते बेनतीजा रहा था. अब भारतीय टीम इस मैच को हारकर सीरीज में 0-1 से पिछड़ चुकी है. टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला 7 जुलाई को खेला जाएगा. रनचेज में इंग्लिश टीम की शुरुआत बेहद खराब रही. पहले ही ओवर में अर्शदीप सिंह ने फिल साल्ट (0 रन) और जोस बटलर (0 रन) को पवेलियन भेज दिया. कप्तान हैरी ब्रुक ने इसके बाद मोर्चा संभाला. ब्रुक ने 4 चौके और 3 छक्के की मदद से 15 गेंदों पर 39 रन बना दिए. अक्षर पटेल ने हैरी ब्रुक का विकेट लिया. ब्रुक के आउट होने के समय इंग्लैंड का स्कोर 51/3 था. यहां से टॉम बैंटन और जैकब बेथेल ने चौथे विकेट के लिए 67 रनों की बड़ी पार्टनरशिप की. बैंटन ने 6 चौके की सहायता से 32 बॉल पर 39 रन बनाए और उनका विकेट अर्शदीप सिंह ने लिया. विल जैक्स कुछ खास नहीं कर सके और 9 रनों के निजी स्कोर पर वरुण चक्रवर्ती का शिकार बने. विल जैक्स के आउट होने के बाद जैकब बेथेल ने पूरी जिम्मेदारी ली और टीम को जीत दिलाई.

दीप्ति शर्मा ने विम्बलडन के मैचों का आनंद लिया

लंदन. विंबलडन का मशहूर सेंटर कोर्ट लोगों से भरा हुआ है. यहाँ सिर्फ़ टेनिस के दिग्गज ही नहीं, बल्कि और भी कई मशहूर हस्तियाँ नज़र आ रही हैं. टीम इंडिया की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा भी विम्बलडन में हो रहे मैचों का मज़ा लेने पहुँचीं. इस क्रिकेट स्टार के लिए विंबलडन में शामिल होना एक सपना सच होने जैसा था. उन्हें सेंटर कोर्ट पर इगा स्वीयाटेक और माटेओ बेरेटिनी के रोमांचक मैचों का आनंद लेते हुए देखा गया. कुछ मज़ेदार पलों में, दीप्ति ने बताया कि नोवाक जोकोविच उनके पसंदीदा खिलाड़ी हैं. साथ ही, उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कभी डबल्स मैच के लिए विंबलडन के ग्रास कोर्ट पर खेलने का मौका मिले, तो वह अपनी साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना को ही अपनी पार्टनर बनाना चाहेंगी!

यूरोप मे विश्वकप की उम्मीदें बढ़ीं

बेंगलुरु, 04 जुलाई भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि टीम सही समय पर अपनी लय पकड़ती दिख रही है.

टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 के यूरोप दौरे का इस्तेमाल विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अपनी तैयारी को मजबूत करने के लिए किया. मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि यूरोप में किए गए प्रदर्शन से पता चलता है कि टीम दुनिया की बेहतरीन टीमों का मुकाबला करने में सक्षम है. फुल्टन ने कहा, 'इस प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास बढ़ना सबसे बड़ी बात रही है. जर्मनी और नीदरलैंड्स पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन यह साबित करते हैं कि जब हम अपने गेम प्लान पर टिके रहते हैं, तो हम दुनिया की किसी भी टीम का मुकाबला कर सकते हैं और उन्हें हरा भी सकते हैं.'

महिला टी20 वर्ल्ड कप इंग्लैंड फ़ाइनल में छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगा

17 साल का इंतज़ार खत्म करने की कोशिश

लंदन, 04 जुलाइ. इंग्लैंड रविवार को लॉर्ड्स में होने वाले शानदार फ़ाइनल में छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का सामना करते हुए आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने का 17 साल का इंतज़ार खत्म करने की कोशिश करेगा.

मेज़बान टीम खिताब वापस पाने की कोशिश में है, जबकि मौजूदा चैंपियन अपना दबदबा बनाए रखने की कोशिश में हैं. खिताब के लिए होने वाला यह मुकाबला टूर्नामेंट की एकमात्र ऐसी दो टीमों के बीच है जो अब तक अजेय रही हैं. दोनों टीमों ने अपने सभी छह मैच जीते हैं, जिससे महिला क्रिकेट की दो सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच एक शानदार फ़ाइनल का मंच तैयार हुआ है. इंग्लैंड के लिए यह फ़ाइनल 2009 में ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार घरेलू दर्शकों के सामने विश्व चैंपियन बनने का सुनहरा मौका है. कप्तान नैट शिवर-ब्रंट की अगुवाई में, मेज़बान टीम ने ज़बरदस्त बल्लेबाज़ी और अनुशासित गेंदबाज़ी का बेहतरीन तालमेल बिठाया है और टूर्नामेंट की सबसे मज़बूत टीमों में से एक बनकर उभरी है. इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका पर 40 रन की शानदार जीत के साथ फ़ाइनल में जगह बनाई.

> शिवर-ब्रंट के 75 और हीथर नाइट के 58 रनों की बदौलत टीम ने मज़बूत स्कोर खड़ा किया और फिर उनके स्पिन अटैक ने शानदार अंदाज़ में मैच खत्म किया. ओपनिंग बल्लेबाज़ डैनी वायट-हॉज इंग्लैंड की सबसे बेहतरीन खिलाड़ी रही हैं. उन्होंने 73.50 की औसत और 150 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 294 रन बनाए हैं. वहीं, स्पिन जोड़ी सोफी एक्लेस्टोन और शार्लेट डीन ने मिलकर 18 विकेट लिए हैं, जिससे टीम को ज़रूरी कंट्रोल और विकेट मिले हैं और उनका अजेय अभियान जारी रहा है.

जोकोविच ने जीत के साथ फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की

लंदन. नोवाक जोकोविच भले ही विंबलडन में शुक्रवार की दोपहर को उतने तेज नहीं रहे होंगे जितना वह चाहते थे, लेकिन सात बार के चैंपियन ने फिर भी एक लचीली जीत दर्ज की और रोजर फेडरर के ग्रास-कोर्ट मेजर में जीते गए पुरुष एकल मैचों के रिकॉर्ड की बराबरी की. आर्थर रिंडरकनेच के साथ सेंटर कोर्ट के कड़े मुकाबले में जूझने के बाद, जोकोविच ने बड़े क्षणों का फायदा उठाया और फ्रांसीसी खिलाड़ी की बड़ी सर्विस को रोकने का एक तरीका ढूंढ लिया और तीसरे दौर में 7-5, 6-4, 1-6, 7-6(4) से जीत हासिल की.

एसेक्स ने ससेक्स को 100 रनों से हराया

होव, 04 जुलाई. कप्तान साइमन हार्मर (नाबाद 46/दो विकेट) और सैम कुक (चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत एसेक्स ईगल्स ने ससेक्स शार्क्स को 100 रनों से करारी शिकस्त दी। एसेक्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 204 रनों का विशाल स्कोर बनाया।

हेनरी क्रोकोम्बे के आखिरी ओवर में 31 रन बनाए। माइकल पेपर (47), मैट क्रिचली (34), ल्यूक बेन्केनस्टीन (26), चार्ली एलिसन 20 रनों का योगदान दिया। क्रोकोम्बे ने बुधवार को घोषणा की थी कि वह सीज़न के अंत में सरे में शामिल हो रहे हैं। इसके बाद सैम कुक ने पावरप्ले में तीन विकेट लिए और अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सात रन देकर 4 विकेट लिए, जिससे ससेक्स का स्कोर 5 विकेट पर 34 रन हो गया। इसके बाद हारमर ने चार ओवर में सटीक ऑफ-स्पिन गेंदबाजी करते हुए 16 रन देकर 2 विकेट लिए और टॉम अलसोप के सीधे ड्राइव को नॉन-स्ट्राइकर के स्टंप्स पर डिफ्लेक्ट करके डैनी ब्रिग्स को रन आउट किया। ससेक्स की पूरी टीम 17.3 ओवर में 104 रन पर ऑलआउट हो गई और इस सीज़न में अपने नौ मैचों में से छह में वे पूरे 20 ओवर तक बल्लेबाजी करने में नाकाम रहे हैं।

कुक ने अपने पहले ही ओवर में लेग-साइड बाउंड्री पर हैरिसन वार्ड और डैन ह्यूजेस, दोनों ओपनर्स के कैच लिए; फिर जॉर्ज थॉमस वाइड लॉन्ग-ऑन बाउंड्री के ऊपर से शॉट मारने की कोशिश में बेनकेनस्टीन के हाथों शानदार ढंग से कैच आउट हो गए।